



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22] मई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 19, 1977/पौष 29, 1898

No. 22] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 19, 1977/PAUSA 29, 1898

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती हैं जिससे इक वह असाधारण संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
ORDER

New Delhi, the 19th January 1977

S.O. 30(E)/15A/IDRA/77—Whereas Messrs Western India Spinning and Manufacturing Company Limited, Bombay, owning an industrial undertaking, is being wound up by the High Court of Bombay and the business of this company is not being continued;

And, Whereas, the Central Government is of the opinion that it is necessary, in the interests of the general public, and in particular, in the interest of production of the articles manufactured in the said industrial undertaking, to investigate into the possibility of running or restarting the aforesaid industrial undertaking,

And, whereas on an application made by the Central Government under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the High Court of Bombay praying for permission to make an investigation into such possibility, the High Court of Bombay has, by an Order dated the 14th January, 1977, granted the requisite permission;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints Shri H Nanjundiah, Lalit Apartments, Wodehouse Road, Bombay-5, for the purpose of making an investigation into the possibility of restarting the aforesaid industrial undertaking

The above person shall submit his report to the Central Government by the 15th February, 1977

[No F. 3(18)/75-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy

उद्योग मंत्रालय

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1977

का० फा० 30 (म) / 15 क/श्राई० डी० श्रार० ए० / 77.—प्रेसर्व वैस्टर्न इडिया स्पेनिंग मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई, जो प्र० श्रीद्योगिक उपक्रम की स्थानी है, मुम्बई उच्च न्यायालय द्वारा परिमापित की जा रही है और उपक्रम की कारोबार जारी नहीं रखा जा रहा है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में नथा विशेष रूप में उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम द्वारा विनिर्भीत वस्तुओं के उत्पादन के हित में, यह आवश्यक है कि उपरोक्त श्रीद्योगिक उपक्रम को छलाने या पुनः आरम्भ करने की सभावना की जान की जाए;

और उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मुम्बई उच्च न्यायालय को किये गए आवेदन पर, जिसमें ऐसी सभावना की जान करने की अनुज्ञा देने की पार्श्वता की गई है, मुम्बई उच्च न्यायालय ने अपने 14 जनवरी, 1977 के आदेश द्वारा वाल्हिन अनुज्ञा प्रदान कर दी है।

अतः, श्री, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क प्रदत्त गठियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एच० नज़ुदिया लखन अपार्टमेंट्स, वुड हाउस रोड, मुम्बई-5 को उपरोक्त श्रीद्योगिक उपक्रम को पुनः आरम्भ करने की सभावना की जांच के प्रयोजन के लिए नियुक्ति करती है।

श्री एच० नज़ुदिया श्रान्ति रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को 15 फरवरी, 1977 तक प्रस्तुत करेंगे।

[प० फा० 3 (18)/75-सी यू सी]

ए० के० धोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियबन्ध, प्रकाशन निभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977